

विषय: “हममें से प्रत्येक व्यक्ति ग्लोबल वॉर्मिंग और मौसम के बदलाव को टालने और प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा के लिये क्या कर सकता है?”

रूपरेखा:

1. प्रस्तावना
2. पर्यावरण का ज्ञान
3. प्रदूषण
4. प्रदूषण के प्रकार
5. प्रदूषण की रोकथाम
6. उपसंहार

“कोई नहीं पराया मेरा घर सारा संसार है”

“मैं कहती हूँ जियो और जीने दो इस संसार को”

- 1) **प्रस्तावना** - पर्यावरण शब्द का अर्थ होता है पर्या 'हमारे चारों ओर' और आवरण हमारे चारों ओर' अर्थात जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है वही पर्यावरण 'पर्यावरण की जैविक संघटकों में सूक्ष्म' जीवाणु जैसे कीड़े मकोड़े और पेड़-पौधे और जीव जंतु जैसी जैव प्रक्रियाएँ और क्रियाएँ हैं। आजकल यह हर रूप से प्रदूषित हो रहा है हमें इसे पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकते हैं पर कुछ नियंत्रित उपायों से हम इसे कम कर सकते हैं। प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण मनुष्य ही है। मनुष्य बहुत ज्यादा बुद्धिमान प्राणी कहा जाता है पर प्रदूषण का कारण भी मनुष्य ही। पूरे पृथ्वी की जिम्मेदारी भी तो मनुष्यों की है। मनुष्य का पृथ्वी पर रहना असंभव हो सकता है। हो सका तो शायद पृथ्वी का अस्तित्व ही खत्म हो जाए।
- 2) **पर्यावरण का ज्ञान** - आज लोगों में इसे लेकर कोई जागरूकता नहीं है ग्रामीण समाज को छोड़ दें तो भी महानगरीय जीवन में इसे लेकर कोई खास उत्सुकता नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज से बहुत घनिष्ठ संबंध रखने वाला सवाल है परिणामस्वरूप पर्यावरण एक सहज सरकारी एजेंडा बन कर रह गया है। जब तक इसे लेकर कोई स्वाभाविक उपचार पैदा नहीं होगा, यह एक दूर का सपना ही बन कर रह जाएगा।
- 3) **प्रदूषण** - हमारे चारों ओर फैले हुए पर्यावरण का दूषित और मेला होना ही प्रदूषण कहलाता है। प्रदूषण करने वालों की मात्रा इतनी है कि उसे गिना नहीं जा सकता है। प्रदूषण का वर्गीकरण प्रदूषक के प्रकार स्रोत, अथवा पारिंत्रण जैसे होता है आज कल इसे लेकर बहुत सुविधा है।
- 4) **प्रदूषण के प्रकार** - प्रदूषण करने वालों की गणना करना असंभव है फिर भी कुछ प्राकृतिक प्रकार

निम्नलिखित है। जैसे जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, वायु प्रदूषण आदि।

- a) **वायु प्रदूषण** - विभिन्न उद्योगों और कारखानों से निकला हुआ धुआँ में गैस रहती है सल्फर डाई ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड गैसें पाई जाती हैं, यह वायु प्रदूषण कहलाता है।
- b) **जल प्रदूषण** - अधिकतर लोग जल में कचरा डाल देते हैं।